सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जिसमे मन करे खुशी मिले वही काम करें पेज: 7

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक.. पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 349 | मंगलवार 31 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

लोकसभा

लोकसभा में बोले अमित शाह

देश अब नक्सलवाद से मुक्त, गोली का जवाब गोली से मिलेगा

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त कराने के प्रयासों पर चर्चा के दौरान अपना संबोधन दिया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि नक्सलवाद को जो लोग यहां पर वकालत कर रहे थे कि ये 70 से अब तक क्यों नहीं मिला। पूरे देश को 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश के हर गरीब को घर मिला, गैस मिला, शुद्ध पीने का पानी मिला, 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज मिला, लेकिन ये बस्तर वाले क्यों छूट गए थे।'शाह ने कहा, 'ये बस्तर वाले इसलिए छूट गए थे, क्योंकि वहां लाल आतंक का परछाई थी, इसलिए वहां विकास नहीं पहुंचा। मोदी सरकार में आज वो परछाई हट गई है, और इसलिए आज बस्तर विकास कर रहा है। ये नरेन्द्र मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता होगा।'गृह मंत्री ने पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 75 साल में 60 साल तो शासन आपने किया, आदिवासी अभी तक विकास से क्यों महरूम रहे? 60 साल आपने उन्हें घर नहीं दिया, पानी नहीं दिया, स्कूल नहीं बना, बैंक की फैसिलिटी नहीं पहुंचने दिया, इसलिए पहले थोड़ा अपनी गिरेबान में झांककर देखो कि दोषी कौन है।शाह ने अपने संबोधन में इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'वामपंथी विचारधारा के कारण ये नक्सलवाद फैला है, राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए

इंदिरा गांधी ने भी स्वीकार की थी। मनमोहन सिंह ने पूरे देश के सामने स्वीकार किया था कि कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट की तुलना में भी देश में आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी समस्या माओवादी हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ।' अमित शाह ने वामपंथी संगठनों से पूछा कि आपका लड़ने का तरीका क्या है, हम अंग्रेजों के शासन में नहीं रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने भगत सिंह जी और बिरसा मुंडा से तुलना ऐसे लोगों से कर दी, जो अक्षम्य है। आपलोग क्या हिमाकत कर रहे हैं। शहीद भगत सिंह और भगवान बिरसा मुंडा, जो अंग्रेजों के सामने लड़े, और आप उनकी तुलना संविधान तोड़कर, हाथ में हथियार लेकर निदोर्षों की हत्या करने वालों से कर रहे हैं? उन्होंने कहा, 'नक्सलवाद गरीबी के कारण नहीं फैला, बल्कि नक्सलवाद के कारण इन पूरे क्षेत्र में सालों तक गरीबी रही। नक्सलवाद की जड़ें गरीबी और विकास से जुड़ी नहीं है, वो वैचारिक है।

हम लोकतंत्र में हैं, हमने इस देश की संविधान को स्वीकार किया है। अन्याय किसी को भी हो सकता है, विकास कहीं पर भी कम ज्यादा हो सकता है। अगर आप धमकाना चाहते हैं कि ये होगा तो ये भी हथियार उठाएंगे, वो होगा तो वो भी हथियार उठाएंगे। लेकिन कान खोलकर सुन लीजिए, ये डरने वाली सरकार नहीं है, सभी के साथ न्याय करने वाली सरकार है।' नक्सलवाद की शुरूआत का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, '1970 के दशक में नक्सलवाद की शुरूआत नक्सलबाड़ी, बंगाल से हुई। 1971 के एक ही वर्ष में 3620 हिंसा की घटनाएं वहां पर हुई। 1980 का दशक आते आते पीपल्स वार ग्रूप बन गया और फिर ये महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और ओडिशा, ये तीन राज्यों में फैले। 1970 से 2004, ये पूरा कालखंड में 4 साल छोड़कर पूरा समय कांग्रेस पार्टी का शासनकाल रहा है, ये उनको याद रखना चाहिए।' शाह ने कहा, 'आज मैं इस मंच से देश की जनता को बताने आया हूं कि माओवादी हिंसा करने वालों और नक्सली हिंसा करने वालों के अब दिन लद गए हैं।'

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को... बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग उठा दी। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मल्लवाला निवासी स्वर्णजीत सिंह, विक्की सिंह और गुरुसर सैनेवाला निवासी प्रेम सिंह जस्सी बागवाली गांव में दर्शन कर लौट रहे थे। तभी उन्होंने बाइक को भारत माला रोड के गलत साइड पर मोड़ दिया सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। वहीं कार में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाइक सवार तीनों युवकों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मृतकों के परिजनों के बयानों पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरे हादसे में मां-बेटा और पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। पोते के जन्म की खुशी में परिवार ने एक दिन पहले प्रार्थना सभा आयोजित की थी, लेकिन अगले दिन घर में मातम छा गया। अमर (22) और उसकी माता निर्मला देवी (50) अपनी बेटी के ससुराल में पोते के जन्म की खुशी में आयोजित जगराते में शामिल होने हरियाणा गए थे। जगराते के बाद जब माता-पिता पक्का कलां गांव लौटने लगे तो उनकी बेटी और पोता भी उनके साथ चले गए। फतेहाबाद के पास उनकी कार की टैम्पो ट्रैवलर से टक्कर हो गई जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

एआईएमआईएम नेता जामई पर मृतकों के नाम पर चंदा जुटाने का आरोप: पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जामई एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने हत्या के मामलों में जान गंवाने वाले युवकों के परिवारों की त्रासदी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया, लेकिन यह राशि पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचाई गई। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है और दिल्ली पुलिस के पास दो अलग-अलग परिवारों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

विवाद की शुरुआत 7 मार्च को चांदनी चौक के स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद अरीब की हत्या के बाद हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद शोएब जामई संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचे और वहां एक वीडियो रिकॉर्ड किया। बाद में इस वीडियो को उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक क्यूआर कोड के साथ पोस्ट किया गया। अरीब के भाई मोहम्मद अदीब ने डीसीपी को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि यह क्यूआर कोड 'सादिया फातिमा' नामक किसी अज्ञात महिला के नाम पर था, जिससे परिवार का कोई संबंध नहीं है। अदीब का दावा है कि इस माध्यम से लगभग 7 से 8 लाख रुपये जुटाए गए, जबकि परिवार को कोई आर्थिक मदद नहीं मिली। जब परिवार ने आपत्ति जताई, तो उन्हें बताया गया कि यह आईटी टीम की तकनीकी गलती थी और केवल मामूली रकम ही जमा हुई है।

इसी तरह का एक और मामला मानसरोवर पार्क इलाके से सामने आया है। सिराजुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि नवंबर 2025 में उनके नाबालिग बेटे की हत्या के बाद भी इसी तरह का चंदा अभियान चलाया गया था। अंसारी का आरोप है कि शोएब जामई ने उनके बेटे के नाम और वीडियो का इस्तेमाल कर सादिया फातिमा के क्यूआर कोड के जरिए पैसे जुटाए, लेकिन उन्हें फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। अंसारी ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे के नाम पर किसी भी तरह का अवैध फंड इकट्ठा करने के खिलाफ हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि जामई को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर, शोएब जामई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उनका दावा है कि विपक्षी दलों से जुड़े लोग और पार्टी के कुछ पूर्व सदस्य एआईएमआईएम की छवि खराब करने के लिए पीड़ित परिवारों को गुमराह कर रहे हैं। जामई का कहना है कि उन्होंने अपने बैंक स्टेटमेंट और साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए हैं। फिलहाल, पुलिस इस पूरे वित्तीय लेनदेन और क्यूआर कोड से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की... विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को लेकर बार-बार बयान दिए जाते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है और वास्तविक मुद्दों पर काम करने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी ममता बनर्जी का समर्थन कर कहा कि अगर उन्होंने इस तरह की बात कही है, तब हो सकता हैं उनके पास कोई इनपुट होगा।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई ?

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1:30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं

वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन' यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों–गुजरात, राजस्थान और पंजाब–पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढ़ने, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, ताकि युद्ध को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि यह युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि वैश्विक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

टोल टैक्स को लेकर भड़के पंजाब के किसान, भारी बारिश के चलते कर दिया चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भारी टोल टैक्स और प्रवेश शुल्क के विरोध में सोमवार को पंजाब-हिमाचल सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पंजाब मोर्चा के कन्वीनर गौरव राणा, कीर्ति किसान मोर्चा के प्रधान हरप्रीत सिंह भट्ठो और बीकेयू के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने घंटों तक चक्का जाम जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने टैक्स कम नहीं किया और टोल नाके नहीं हटाए, तो यह

संघर्ष और तेज होगा।

नेताओं का कहना है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है और सरकार को जनहित में इन शुल्कों को तुरंत वापस लेना होगा। इस मुद्दे पर पंजाब सरकार से भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है, क्योंकि विधानसभा में भी इस मामले का अब तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया, जिससे यातायात व्यवस्था लंबे समय तक ठप रही। जाम की सूचना मिलने पर तहसीलदार संदीप कुमार और थाना प्रभारी जतिन कपूर के नेतृत्व में प्रशासन मौके पर पहुँचा। करीब ढाई घंटे के गतिरोध के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांगपत्र लिया और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने का भरोसा दिया। हालांकि जाम खोल दिया गया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात पूरी तरह बहाल होने में करीब चार घंटे का समय लग गया। इस बीच पठानकोट टैक्सी यूनियन के जिला प्रधान रिंकू कुमार ने ऐलान किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 1 अप्रैल को पठानकोट-डलहौजी और चंबा-धर्मशाला रूट को भी पूरी तरह ब्लॉक किया जाएगा। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका... आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

-आरोपी भारतीय नौसेना में कार्यरत और पहले से शादीशुदा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है।

इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य हिस्सों की तलाश कर रही है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि ऑनलाइन मेल-जोल और अनैतिक संबंधों का अंजाम कितना भयावह हो सकता है। कानून की सख्ती ही इसतरह

के अपराधियों के मन में डर पैदा कर सकती है।

2 सब का सपना
हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
मंगलवार 31 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौंक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दशार्ते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित

संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दशार्ता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दशार्ता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

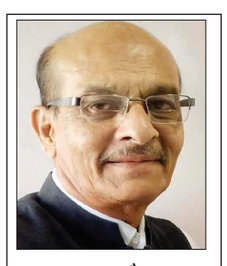

सनत जैन

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में...

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा कर-के दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदार्फाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

एसडीएम ने बच्चों को पेन,पेंसिल और चॉकलेट देकर बढ़ाया मनोबल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के संविलियन विद्यालय मलेशिया में एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के बच्चों को वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार वितरित किए, जिसमें उन्होंने बच्चों को पेन ,पेंसिल और चॉकलेट देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

बता दें कि निरीक्षण के दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने विद्यालय की बुनियादी सुविधाओं, साफ-सफाई और अनुशासन का बारीकी से अवलोकन किया, उन्होंने कक्षा में जाकर बच्चों से संवाद किया और शिक्षण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक की लौ जलाए रखने के लिए

विद्यालय स्टाफ की सराहना की। निरीक्षण के बाद विद्यालय परिसर में वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भूमिका निभाते हुए स्वयं अपने हाथों से छात्र-छात्राओं को उनके वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरित किए। कक्षा में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम के दौरान एसडीएम ने सभी बच्चों को पेन, पेंसिल और चॉकलेट वितरित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।

इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही गरीबी और बाधाओं को दूर करने का एकमात्र रास्ता है, उन्होंने छात्रों को मेहनत करने लक्ष्य निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने के लिए जी जान से लड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापक रानी शशि दिवाकर सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। ग्रामीणों और अभिभावकों ने एसडीएम की इस पहल की सराहना की क्योंकि यह पहली बार था कि किसी प्राथमिक विद्यालय में किसी प्रशासनिक अधिकारी ने जमीनी स्तर पर जाकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया है।

तिगरी के पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय में वितरित किए गए रिजल्ट,खिले बच्चों के चेहरे

अभिभावकों की रही उत्साहपूर्ण सहभागिता,मेधावी छात्र छात्रों का हुआ सम्मान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गंगा धाम तिगरी स्थित पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय तिगरी में सोमवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उनके रिजल्ट कार्ड एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। जैसे ही बच्चों को उनके परिणाम प्राप्त हुए, उनके चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दी।

बता दें कि कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए विद्यालय परिसर को समस्त स्टाफ द्वारा सुंदर तरीके से सजाया गया था। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम में उत्सव जैसा माहौल बन गया। अभिभावकों ने अपने बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की और विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।समारोह के दौरान प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उनके अभिभावकों सहित सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यालय द्वारा स्वच्छता, अनुशासन एवं सर्वाधिक उपस्थिति के लिए भी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक डॉ. जोगिन्द्र सिंह एवं विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की अध्यक्ष रीनू यादव ने समस्त स्टाफ के परिश्रम एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें भी सम्मानित किया।प्रधानाध्यापक डॉ. जोगिन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक दिन भी विद्यालय से अनुपस्थित रहने पर बच्चे की पढ़ाई कई दिनों तक प्रभावित होती है।

जो विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय आते हैं और जिनके अभिभावक घर पर भी पढ़ाई में सहयोग करते हैं, वही विद्यार्थी आगे चलकर बेहतर प्रदर्शन करते हैं।ह्वउन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रथम स्थान प्राप्त करना ही सफलता का एकमात्र मापदंड नहीं है, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और लगन ही वास्तविक सफलता की कुंजी है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी मेधावी छात्रों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्राथमिक विद्यालय में मनाया गया परीक्षाफल वितरण समारोह, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

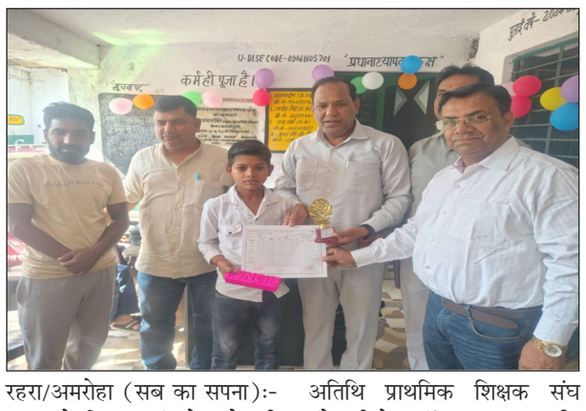

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय कंडोवा में वार्षिक परीक्षाफल वितरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में न केवल छात्रों की शैक्षणिक प्रगति का उत्सव मनाया गया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत को प्रोत्साहित करने के लिए मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। विद्यालय के कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक के उन छात्रों को, जिन्होंने अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया, प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और अभिभावकों ने भी विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की। रामवीर सिंह ने कहा कि "शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे बच्चे अपना और देश का भविष्य संवार सकते हैं। प्राथमिक स्तर पर बच्चों की नींव मजबूत करना शिक्षकों और अभिभावकों की संयुक्त जिम्मेदारी है।"

उन्होंने मेधावी छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इसके उपरांत स्कूल चलो अभियान के तहत पूरे गांव में स्कूल चलो रैली निकाली गई। सभी गांव वासियों से अपने बच्चों के नवीन नामांकन कराने हेतु अपील की गई।

कार्यक्रम में पूर्व एआरपी विकास राहुल, विद्यालय के प्रधानाध्यापक महताबउद्दीन,विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामफल सिंह,सहायक अध्यापक रंजीत सिंह,अंजू शर्मा, सुमन रानी, राघवेंद्र सिंह, मदनपाल, कलुवा सिंह ,गेंदा सिंह, हरिओम, कैलाश सिंह आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत में द्वितीय जनपद स्तरीय अंतर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने बैठक में शासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का अक्षरतःपालन करने के संबंध में सभी विभागों को निर्देशित किया। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा और दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा। स्वास्थ्य विभाग नोडल अधिकारी के रूप में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत कार्य करता है तथा अन्य विभाग अपने-अपने विभाग की

माइक्रो प्लान बनाकर तदनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। जिसके क्रम मे जिला अधिकारी महोदया को अवगत कराया गया कि समस्त विभागों से माइक्रोप्लान प्राप्त हो गया है, और 95% कर्मियों एवं वार्ड मेंबर्स का संवेदीकरण किया जा चुका है। आगामी हीट वेव के दृष्टिगत सभी विभागों को क्या करें क्या ना करें कि विषय में भी जागरूक किया गया। इसके लिए विकसित पैंफ्लेट का वितरण करने के निर्देश दिए। नगरीय एवं देहाती क्षेत्रों में सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। जिलाधिकारी ने संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निर्देश दिए कि संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु बेहतर अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने डेंगू और अन्य वेक्टर बोर्न बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा आमजन को साफ सफाई और बचाव के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी , यूनिसेफ के प्रतिनिधि के प्रतिनिधि जिला एपिडेमियोलॉजी तथा अन्य चिकित्सा अधिकारियों और विभागआध्यक्षों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, न्यायाधीश ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (उछरअ) के सचिव, न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास द्वारा जनपद में स्थित वन स्टॉप सेंटर (डरउ) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में संचालित समस्त व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया गया तथा उपस्थित कर्मचारियों से कार्यप्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं एवं लाभार्थियों को दी जा रही सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा न्यायाधीश / सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने केंद्र पर आने वाली पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रदान की जा रही विधिक सहायता, मनोसामाजिक परामर्श, चिकित्सीय सुविधा एवं अस्थायी आश्रय की व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा

की। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक पीड़िता को बिना किसी विलंब के त्वरित, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा उनकी गोपनीयता एवं गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश / सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने रजिस्टरों, अभिलेखों एवं शिकायत निस्तारण प्रक्रिया का भी परीक्षण किया। उन्होंने पाया कि कुछ अभिलेखों का संधारण और अधिक व्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता है, जिस पर संबंधित स्टाफ को आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्ति में किसी प्रकार की बाधा न आए। न्यायाधीश / सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने यह भी निर्देश दिए कि वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया जाए, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। इस अवसर पर केंद्र का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा तथा न्यायाधीश / सचिव, अभिषेक कुमार व्यास द्वारा दिए गए निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया।

308 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र की सौगात, 123 को मिले स्मार्टफोन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में 'सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में सोमवार को जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिले की 298 आंगनबाड़ी सहायिकाओं और 10 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इसके साथ ही डिजिटल इंडिया की तर्ज पर बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की सटीक निगरानी के लिए 123 कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन वितरित किए गए।

कार्यक्रम में बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए 11 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण और 2 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास भी किया गया। इस दौरान लखनऊ के लोक भवन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी अधिकारियों और नवनियुक्त कर्मियों ने देखा। नौनिहालों का भविष्य संवारने की अहम जिम्मेदारी जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने नवनियुक्त कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने इसे महज एक नौकरी नहीं, बल्कि देश सेवा और छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण जरिया बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को सही पोषण और दिशा देने की यह जिम्मेदारी सीधे तौर पर देश के भविष्य से जुड़ी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह पूरी चयन प्रक्रिया ऑनलाइन, योग्यता-आधारित और पूरी तरह से पारदर्शी रही है। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने भी इस बात पर मुहर लगाई कि पूरी प्रक्रिया में जिलाधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में पारदर्शिता बरती गई है। उन्होंने सभी कर्मियों से आह्वान किया कि वे कुपोषण को दूर करने और देश के भावी नागरिकों को स्वस्थ बनाने के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। डिजिटल मॉनिटरिंग से कुपोषण पर होगा कड़ा प्रहार कार्यक्रम में मौजूद ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए हजारों नई नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने स्मार्टफोन वितरण को एक बेहद आधुनिक और कारगर पहल बताया। उन्होंने कहा कि इन स्मार्टफोन्स की मदद से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अब बच्चों के स्वास्थ्य, उनके विकास और पोषण स्तर की डिजिटल मॉनिटरिंग कर सकेंगी। इससे कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में रियल-टाइम डेटा मिलेगा और जमीनी स्तर पर योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा। तकनीकी बाधाओं की नहीं होगी कोई चिंता डिजिटल कार्यप्रणाली को लेकर कार्यकत्रियों के मन में उठने वाले सवालों और तकनीकी बाधाओं को लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) ज्ञान प्रकाश तिवारी ने बेहद सकारात्मक जानकारी दी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि स्मार्टफोन के संचालन में कार्यकत्रियों को इंटरनेट डेटा या तकनीकी खराबी का कोई बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। विभाग की ओर से कार्यकत्रियों को बाकायदा फोन रिचार्ज का पैसा उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा, यदि फोन में कोई हार्डवेयर या तकनीकी खराबी आती है, तो जेम पोर्टल (त्रीट) के माध्यम से संबंधित कंपनी की गारंटी के तहत उसे विभाग द्वारा ही दुरुस्त कराया जाएगा। डीपीओ ने यह भी आश्वस्त किया कि यह एक केंद्रीकृत प्रक्रिया है और जिले में जिन कार्यकत्रियों को अभी स्मार्टफोन नहीं मिल पाए हैं, उन्हें भी लखनऊ से अगली खेप आते ही जल्द से जल्द इन हाईटेक सुविधाओं से लैस कर दिया जाएगा।

द आर्यन्स में वार्षिक परीक्षाफल घोषित होने पर विद्यार्थियों में दौड़ी खुशी की लहर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के द आर्यंस जोया में कक्षा 1 से 5 तक का वार्षिक परीक्षाफल अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में प्रकाशित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके परिश्रम, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि परीक्षाफल केवल अंकों का मापदंड नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास का दर्पण होता है।

इस वर्ष विद्यालय का परीक्षाफल अत्यंत सराहनीय रहा। कक्षा 1 से अभिनव चौधरी, गुंजन, रेहब पाशा,हेजल चौधरी, मोहम्मद इजहान, अगम सिरोही, कुनाल औलख, अयांश गुप्ता,प्रीत, शिवांग चौधरी,जतिन पाल, ईप्सिता सिंह, मोहम्मद सोहेब, अम्मार रजा, शौर्य चौधरी, दृष्टिचौधरी और हानियां कक्षा 2 से रुद्र रहल, गीतिका यादव, मोहम्मद हुसैन, निष्कर्ष चौधरी, अंशिका चौधरी, दिगेंद्र सेन, अक्षित

शर्मा, मनस्वी लिट्टू,पुनर्नवा सिंह,नाव्या सिंह, निष्ठा सिंह,मनकीरत, अवनी कक्षा तीन से जरा नाज, अद्विक चौधरी,आदित्य, जीत कौर मोहम्मद कबीर रजा , प्रणव फरीहा खान, बबलीन कौर, अनुषा सरफराज,काव्या,वैदेही, युवराज तथा कक्षा चार से अयान नक्श मोहम्मद शान भाविक चौधरी शौर्य लावण्या सिंह गतिक गुरजीत धारीवाल ओजस्वी और जुनायरा तो वहीं कक्षा 5 से रघुराज सैनी, अद्विक पूनम शर्मा, गुंजन,अभि गिल, तेजस्व सिद्धू, मोहम्मद अली, अब्दुल रहमान एवं दिव्यांश सिंह आदि विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा 1से जतिन पाल, अभिनव चौधरी कक्षा 2 से अक्षित शर्मा, रूद्र रहल,कक्षा 3 से जारा नाज,अद्विक चौधरी कक्षा 4 से अयान, भाविक चौधरी, गुरजीत धारीवाल एवं कक्षा 5 से रघुराज सैनी तेजस्व सिद्धू और मोहम्मद अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर इप्सिता सिंह मोहम्मद सोहेब मनस्वी लिट्टू, निष्कर्ष चौधरी, गीत कौर, प्रणब चौधरी आदि विद्यार्थी क्रमशः एवं द्वितीय स्थान रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह,अनिल कुमार सिंह निदेशक अमन लिट्टू और गौरव चौधरी ने संयुक्त रूप से मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही अन्य विद्यार्थियों को भी भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया।

अंत में अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्सव का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे '

ए.एस.एम. मॉडर्न एकेडमी खाता में वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ए.एस.एम. मॉडर्न एकेडमी खाता में वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण का आयोजन किया गया। संस्था के प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या आभा रस्तोगी ने मां सरस्वती के कर कमलों में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा के अलग-अलग वर्गों में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया एवं प्रत्येक कक्षा में प्रथम रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संपूर्ण कोर्स के साथ एक बैग पुरस्कार के रूप में दिया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी की इनाया सैफी ने 99.08% अंक प्राप्त किये। कक्षा एलकेजी की मनस्वी ने 98.41% अंक प्राप्त किये।कक्षा

यूकेजी में इफरा ने 99.5% अंक प्राप्त किये। कक्षा एक के छात्र दिवित चौधरी ने 100% अंक प्राप्त किये। कक्षा 2 के छात्र पीयूष ने 99.63% अंक, कक्षा 3 की छात्रा माहिरा ने 99.55 अंक, कक्षा 4 की छात्र निश्चय सिंह ने 98.27%अंक, कक्षा 5 की छात्र निखत फातिमा ने 96.89% अंक, कक्षा 6 की छात्र अनाबिया ने 98.3% अंक, कक्षा 7 की छात्रा अक्षा ने 99.5% % अंक, कक्षा 8 की छात्रा राफिया सैफी ने 99% अंक, कक्षा 9 की छात्रा हुमेरा ने 99.63 % अंक, एवं कक्षा 11 के छात्र एजाज-उल- हक ने 90.10% ने प्राप्त करके समस्त विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया है। विद्यालय की उपलब्धि की बात करें तो कक्षा 11 के छात्र कल्पित ने जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके राज्य स्तरीय प्रोजेक्ट में प्रतिभाग करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा ड्ड10000 की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। एक और उपलब्धि के रूप में कक्षा 10 के छात्र गुरमीत सिंह ने अमर उजाला नेशनल ओलंपियाड में नेशनल टॉपर बने । वही कक्षा 10 की छात्रा स्मिता सिंह स्टेट टॉपर रही। कार्यक्रम की अगली कड़ी में जागरूक अभिभावकों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में सभी अभिभावकों, अध्यापक एवं अध्यापिकाओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट रविंद्र कुमार एवं मोहित कुमार ने किया।

नामित सभासद बनने पर सय्यद शान अली का सम्मान, विकास को लेकर जताई उम्मीद

सम्भल(सब का सपना):- मोहल्ला कोड गर्वी में सोमवार को माजिद के निवास पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद सम्भल में नामित सभासद बनाए जाने पर सय्यद शान अली को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों और क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति रही।

समारोह में दरगाह शरीफ से जुड़े ख्वाजा हाफिज सय्यद मेराज हुसैन साबरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि हरियाणा हज कमेटी के सदस्य हजरत ख्वाजा हाफिज शमसुद्दीन तुर्क पानीपत शाह विलायत साहब भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने सय्यद शान अली को फूल-मालाएं पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सय्यद शान अली का सभासद के रूप में नामित होना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करते हुए क्षेत्र के विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने भी सय्यद शान अली को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी और जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण होगा।

समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और कार्यक्रम का समापन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का अंतिम शिविर, आयोजित स्वच्छता रैली निकालकर ग्रामीणों को किया जागरूक

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- एस.एम. कॉलेज,की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) चंदौसी में चार दिवसीय शिविरों की श्रृंखला का अंतिम शिविर(एनएसएस) ग्राम देवरखेड़ा में सोमवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशेष कुमार पांडेय के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने गांव में स्थित शिव मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की।

इसके बाद स्वयंसेवकों ने पूरे गांव में रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान स्वच्छता का रखो ध्यान, तभी बनेगा देश महान, स्वच्छता को अपनाना है, बीमारी को दूर भगाना है और स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा।

शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सात दिवसीय विशेष कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए ग्रामीणों से संवाद भी स्थापित किया। ग्रामीणों ने एनएसएस द्वारा किए गए सामाजिक और राष्ट्रीय कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर डॉ. विशेष कुमार पांडेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल शिविर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है।

स्वयंसेवकों को जहां भी रहें, वहां सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाते हुए समाज को शिक्षित और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्राम देवरखेड़ा के ओम, हिमांशु, मयंक, अर्जुन, विकास और सोनू का विशेष सहयोग रहा।

अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भगत जी इंटरनेशनल स्कूल में रिपोर्ट कार्ड वितरण एवं PTM का हुआ आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- नगर के प्रतिष्ठित भगत जी इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को वार्षिक परीक्षाफल वितरण एवं अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उपस्थित होकर बच्चों की शैक्षिक प्रगति की समीक्षा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रितु सक्सेना उपस्थित रहीं। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और अपने संबोधन में कहा शिक्षा ही वह एकमात्र शस्त्र है, जिसके माध्यम से हम अपने भविष्य और समाज को बदल सकते हैं। विद्यालय के प्रबंधन से सर्वेश भगत ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हर बच्चे में एक अद्भुत प्रतिभा छिपी होती है जिसे सही मार्गदर्शन से निखारने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रधानाचार्या नेहा मलय ने विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए घर और स्कूल के बीच समन्वय अनिवार्य है। उन्होंने शिक्षकों के कठिन परिश्रम और विद्यार्थियों की लगन की सराहना की।

विद्यालय प्रशासन द्वारा मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया

शैक्षिक परिणाम शानदार प्रदर्शन के लिए 250 छात्रों को शील्ड प्रदान की गई।

शत-प्रतिशत उपस्थिति पूरे वर्ष नियमित रहने वाले 6 छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। एकेडमिक टॉपर परीक्षा में 100% अंक प्राप्त करने वाले 9 छात्रों को 'शैक्षिक टॉपर के पुरस्कार से नवाजा गया। बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ बच्चों के व्यवहार अनुशासन और सुधार के बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन से विमलेश वार्ष्णेय, भावना वार्ष्णेय एवं पारुल वार्ष्णेय भी उपस्थित रहे। उन्होंने अभिभावकों के सुझावों का स्वागत किया और विद्यालय की शिक्षण पद्धति को और बेहतर बनाने का आश्वासन दिया।

पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित मुकदमे में बहजोई पुलिस ने एक अभियुक्त किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बहजोई पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना बहजोई में दर्ज पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित मुकदमे में नामजद अभियुक्त जाकिर पुत्र नन्हू (52) को पुलिस टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम ने क्षेत्र में दबिश देकर अभियुक्त को थाना बहजोई क्षेत्र से ही गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त के खिलाफ पशु क्रूरता से संबंधित मामला पहले से ही पंजीकृत था, जिसकी विवेचना के दौरान उसकी संलिप्तता पाए जाने पर यह गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जनपद के जिला विकास अधिकारी की बेटी बनीं खण्ड विकास अधिकरी

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के जिला विकास अधिकारी राम आशीष की सुपुत्री कु. स्वाति ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा (पीसीएस)-2024 में सफलता हासिल कर खण्ड विकास अधिकारी (बीडीओ) पद पर चयनित होकर जनपद का नाम रोशन किया है। लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को घोषित अंतिम परिणाम में स्वाति की इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे जनपद में खुशी का माहौल है।

कु. स्वाति के चयन पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे परिवार के साथ-साथ जनपद के लिए भी गर्व का क्षण बताया। इस उपलब्धि पर जनपद के अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए स्वाति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मूल रूप से जनपद मऊ के विकास खण्ड दोहरीघाट स्थित ग्राम विशुनपुरा के निवासी राम आशीष के गांव में भी खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने गांव की बेटी की इस सफलता पर गर्व जताते हुए परिवार को शुभकामनाएं दीं।

कु. स्वाति ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद नेशनल पीजी कॉलेज लखनऊ से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उनकी इस सफलता को कड़ी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम बताया जा रहा है। स्वाति की इस उपलब्धि से युवाओं, खासकर छात्राओं को नई प्रेरणा मिली है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के दम पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

भागवत कथा से पूर्व निकली कलश यात्रा, भक्तों में दिखा उत्साह

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- नगर के गणेश कॉलोनी गली नंबर 10/2 में सोमवार को भागवत कथा के शुभारम्भ से पूर्व कलश यात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान क्षेत्र में धार्मिक माहौल के साथ भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कलश यात्रा में वृंदावन से पधारे स्वामी ओमप्रकाश महाराज का कमेटी के सदस्यों ने फूल-मालाओं एवं पटका पहनाकर स्वागत किया। इसके पश्चात उन्हें घोड़ा बग्गी पर विराजमान कराया गया, जहां से यात्रा का शुभारम्भ हुआ।

यात्रा में कॉलोनी की महिलाओं ने सुंदर सजे हुए कलश सिर पर रखकर विधि-विधान से पूजन किया और भजन-कीर्तन के बीच नाचते-गाते हुए शामिल हुईं। कलश यात्रा कॉलोनी की विभिन्न गलियों से होती हुई गली नंबर 10, सीता आश्रम शिव मंदिर होते हुए पुनः कथा पंडाल पहुंचकर सम्पन्न हुई।

आयोजकों के अनुसार भागवत कथा का आयोजन सोमवार से 5 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में राजा नरेश प्रताप सिंह, मुकेश राठौर, डॉ. विजय शंखधार, मनोज कुमार तोमर, अरविंद गुप्ता, राकेश कुमार शर्मा, एडवोकेट ज्ञानचंद गुप्ता, नेत्रपाल, ओमवीर सिंह, लक्ष्मण प्रसाद मौर्य, सुभाष गुप्ता, उमेश चौहान, बबलू शर्मा, संजीव शर्मा, राजू चौहान, अनुराग वार्ष्णेय, निर्देश यादव, डॉ. अतुल शंखधार, सुखलेश चौहान, मुकेश कुमार, एडवोकेट ओमेंद्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में छात्र-छात्राओं का सम्मान, मेडल व प्रमाण पत्र देकर बढ़ाया उत्साह

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के महाजन मोहल्ला स्थित लाला सोहन लाल सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाईस्कूल चंदौसी में प्रतिभाशाली भैया-बहनों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कामिनी वार्ष्णेय, विद्यालय के व्यवस्थापक कुलदीप वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष डॉ. टी.एस. पाल एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष इंदू रानी द्वारा भारत माता व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रोही, रिया और पाखी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई, जिसने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह राजपूत ने अतिथियों का परिचय कराते हुए विद्यालय में संचालित शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। शिशु वर्ग में कक्षा उदय के ओम कश्यप, बाल वर्ग में कक्षा षष्ठम के गोविंद रस्तोगी ने सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। वहीं संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शिशु वर्ग से कक्षा तृतीय के सक्षम दुबे तथा कक्षा षष्ठम की नव्या अग्रवाल ने श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा बस्ता प्रतियोगिता, वेशभूषा प्रतियोगिता एवं हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

संरक्षक आमोद वार्ष्णेय, आईपीएस चौहान, हरनाम सिंह एवं लालाराम दिवाकर ने सभी कक्षाओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष डॉ. टी.एस. पाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा परिणाम केवल अंकों तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह जीवन का एक पड़ाव हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता से निराश न होकर उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि सफलता और असफलता दोनों ही जीवन का हिस्सा हैं।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्य राजवीर सिंह ने किया। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ एवं अन्य सहयोगियों में राजेश कुमार शर्मा, आनंदपाल सिंह, रुचि अग्रवाल, ईशु वार्ष्णेय, श्रुति अग्रवाल, वंशिका वार्ष्णेय, अंजना वार्ष्णेय, अभिलाष यादव, गौरव वार्ष्णेय, राशि अग्रवाल, दीप्ति वार्ष्णेय, अविनाश गुप्ता, आरती, शालिनी दीक्षित, शिवानी यादव, कल्पना अग्रवाल, सोनिका शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्रेम प्रसंग में प्रेमी को पिता ने मारी थी गोली, डिडौली पुलिस ने किया गिरफ्तार

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना डिडौली क्षेत्र के गांव अशरफपुर फैजगंज में पुत्री के प्रेमी को गोली मारकर घायल करने वाले आरोपी पिता को डिडौली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है साथ ही उसकी निशानदेही से अवैध तमंचा एवं खोखा कारतूस बरामद किया है। बता दें कि पुलिस के मुताबिक बीते 28 मार्च 2026 को थाना डिडौली क्षेत्र के गांव अशरफपुर फैजगंज में मजस्सिम पुत्र इदरीश को आरोपी अकरम पुत्र भूरे ने अपनी पुत्री के साथ प्रेम प्रसंग के चलते गोली मारकर घायल कर दिया था,इस मामले की सूचना पर स्थानीय पुलिस एवं फील्ड यूनिट द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया और प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना डिडौली में अपराध से संबंधित धाराओं में अकरम व आफताब पुत्र अकरम मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस

मामले में डिंडोली पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए 29 मार्च 2026 को मुख्य आरोपी अकरम को संभल चौराहे से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि प्रेम प्रसंग व पारिवारिक विवाद के चलते घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने आरोपी की निशान देही से घटना में प्रयुक्त तमंचा एवं खोखा कारतूस भी बरामद किया है और आरोपी को जनपद न्यायालय भेज दिया है।

प्रेम प्रसंग के चलते पत्नी ने प्रेमी व उसके दोस्त के साथ मिलकर की थी पति की हत्या

हसनपुर पुलिस ने पत्नी सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार,कब्जे से दो चाकू और दो मोबाइल बरामद

सनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में हसनपुर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र अंतर्गत प्रेम प्रसंग के चलते पत्नी द्वारा प्रेमी व उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या की घटना का खुलासा करते हुए घटना में शामिल पत्नी सहित कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयोग किए गए दो चाकू और दो मोबाइल बरामद किए हैं। बता दें कि रविवार को थाना हसनपुर परिसर में सूचना प्राप्त हुई की मेराज पुत्र मोमीन उम्र लगभग 30 वर्ष की उसके घर पर चारपाई पर सोते समय किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गला, पेट, दोनों हाथ एवं पैरों

पर धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी गई है, सुबह मृतक मेराज का पिता मोमीन इसके घर पर गया तो देखा की मेराज की हत्या हो गई है और साथ में दूसरी चारपाई पर इसकी पत्नी और दो बच्चे सो रहे हैं पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी पर भेजा गया इस मामले में तहरीर के आधार पर थाना हसनपुर में रूही पत्नी मेराज निवासी ग्राम पिपलौती कला थाना हसनपुर एवं अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। संदिग्ध मृतक की पत्नी रूही से पूछताछ के दौरान प्रकाश में आया कि मृतक की पत्नी रूही का संबंध फरमान पुत्र शौकीन जो रूही के सगी बहन का देवर लगता है उससे करीब 5 वर्षों से प्रेम संबंध थे। रूही फरमान के साथ रहना चाहती थी परंतु रूही का पति मेराज इसका विरोध कर रहा था जिस कारण रूही व उसके प्रेमी फरमान उपरोक्त दोनों ने मिलकर तय किया की मेराज को रास्ते से हटाना है ,रूही ने योजना के अनुसार अपने पति को रात के खाने में नींद की गोली देकर सुला दिया इसके बाद रात्रि करीब 10:00 बजे फरमान अपने दोस्त अदनान पुत्र मेराज निवासी बुरावली थाना रेहरा के साथ मृतक के घर आया और तीनों ने मिलकर मेराज को रस्सी से चारपाई पर बांधकर धारदार हथियार से हत्या कर दी मिराज नींद में कोई प्रतिरोध नहीं कर पाया और उसकी जान निकल गई। खबर लिखे जाने तक इस मामले में तीनों अभियुक्त गणों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

दो बाइकों की आमने सामने की भिड़ंत में चार लोग घायल जिला अस्पताल रेफर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना धनारी क्षेत्र के अंतर्गत किशनपुर-श्यामपुर तिराहे पर सोमवार शाम को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड पंवासा के ग्राम चिरौली निवासी स्वाती और मूलचंद अपनी बाइक से जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर थाना धनारी क्षेत्र के गांव किशनपुर-श्यामपुर निवासी माया देवी और हरिओम खेत से काम समाप्त कर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही

दोनों बाइकें किशनपुर-श्यामपुर तिराहे पर पहुंचीं, उनकी आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि चारों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस (UP32 EG 4154) मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में तैनात ईएमटी राहुल और पायलट विकास कुमार ने बिना देर किए सभी घायलों को प सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया।

सीएचसी में चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया। वहीं सूचना पर स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों का कहना है कि तिराहे पर अक्सर तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते हादसे होते रहते हैं, ऐसे में यहां सुरक्षा के उचित इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को डीएम ने किया सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना):- त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सम्मानित करते हुए प्रोत्साहन धनराशि के चेक वितरित किए। यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित किया गया।
जिलाधिकारी ने ई-बीएलओ ऐप के माध्यम से 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं की सफलतापूर्वक एंट्री करने वाले आठ बीएलओ को कुल 39 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। सम्मानित किए गए कर्मचारियों में रोहित कुमार डवास, अक्षय कुमार बालियान, नावेद हसन, चारूल, दिलपाक, नईम अहमद और राकेश कुमार शामिल रहे।
इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि निर्वाचक नामावली का सटीक और समयबद्ध पुनरीक्षण चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मियों ने कठिन परिश्रम और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है।
जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भविष्य में भी इसी तरह निष्पक्षता, निष्ठा और समयबद्धता के साथ कार्य किया जाए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बन सके।
उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। इस दौरान जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, जिले में कार्यक्रम आयोजित

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मिला सम्मान और नई जिम्मेदारी

बिजनौर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता और जिलाधिकारी जसजीत कौर की उपस्थिति रही। इस दौरान लखनऊ स्थित लोक भवन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम के तहत जनपद स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए तथा कार्यकत्रियों और मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन वितरित किए गए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण और बाल विकास परियोजना कार्यालय का शिलान्यास भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरे जिले में विभिन्न विकास खंडों पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 858 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र और 337 को स्मार्टफोन प्रदान किए गए।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की भूमिका बच्चों के पोषण, शिक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यकत्रियों से अपेक्षा की गई कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें, ताकि कुपोषण जैसी समस्याओं को समाप्त किया जा सके। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि स्मार्टफोन वितरण का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है, जिससे वे योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी को और प्रभावी बना सकें। उन्होंने पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी होने की भी जानकारी दी।
कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, संयुक्त मजिस्ट्रेट कुनाल रस्तोगी, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

सफाई, राजस्व और योजनाओं पर डीएम ने ली कड़ी बैठक

बिजनौर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्थानीय निकायों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने विभिन्न योजनाओं और कार्यों की प्रगति का गहन परीक्षण करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में दोपहर 12:30 बजे सभी अधिशासी अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निकायों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।
जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और डोर-टू-डोर कूड़ा सेग्रीगेशन जैसे प्रमुख बिंदुओं की समीक्षा करते हुए प्रगति रिपोर्ट तलब की। उन्होंने कर एवं करेत्तर राजस्व वसूली, राज्य वित्त आयोग

और 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त धनराशि के उपयोग, पेयजल पुनर्गठन योजना और अवैध अतिक्रमण की स्थिति पर भी विस्तार से जानकारी ली।
बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमार कार्रवाई अभियान चलाया जाए और उसकी रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और कूड़ा पृथक्करण पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही नाला सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति की अद्यतन स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए।
डीएम ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें और कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखें।
बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुणाल रस्तोगी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाजसेवी डॉ. राखी अग्रवाल के नेतृत्व में चला स्वच्छता अभियान

कचरा हटाकर बनाई मानव श्रृंखला, दिया स्वच्छता का संदेश

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- ऐतिहासिक पथ्थरगढ़ किले पर रविवार को स्वच्छता के प्रति जागरूकता का एक प्रेरक दृश्य देखने को मिला, जब नगर की समाजसेवी डॉ. राखी अग्रवाल के नेतृत्व में उनकी टीम ने व्यापक सफाई अभियान चलाया।
अभियान के दौरान किले परिसर और उसके आसपास फैले प्लास्टिक कचरे को साफ किया गया। टीम ने प्लास्टिक की बोतलें, बीयर की खाली बोतलें, चिप्स के पैकेट सहित अन्य गंदगी को एकत्र कर परिसर को स्वच्छ बनाया।

बाद टीम के सदस्यों ने किले परिसर में मानव श्रृंखला (ह्यूमन चेन) बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस प्रतीकात्मक पहल के माध्यम से लोगों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि ऐतिहासिक धरोहरों की साफ-सफाई बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।
गौरतलब है कि पथ्थरगढ़ किला ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ लोकमान्यताओं में भी प्रसिद्ध है और इसे सुल्ताना डाकू के किले के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में इस स्थल की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर समाजसेवियों की यह पहल विशेष महत्व रखती है।
डॉ. राखी अग्रवाल ने बताया कि इस तरह के जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप दिया जा सके और ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित रखा जा सके।

एलएचबी उमा देवी के सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह का किया गया आयोजन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में कार्यरत एलएचबी उमा देवी के सेवा निवृत्त होने पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएचसी के चिकित्सकों और स्टाफ ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएचसी अधीक्षक डॉ बीके स्नेही ने बताया कि उमा देवी ने करीब 20 वर्ष 3 माह तक स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दीं। उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरूआत संविदा पर वर्ष 1999 में की थी और बाद में वर्ष 2006 में स्थायी

सेवा में आकर उपकेंद्र बिशनपुरा सहित कई क्षेत्रों में कार्य किया। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उन्हें पदोन्नति देकर एलएचबी बनाया गया था। उन्होंने कहा कि उमा देवी अपने कार्य के प्रति बेहद ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित रही हैं। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। उनके सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे सभी के बीच लोकप्रिय रहीं। समारोह के दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह, शॉल, वस्त्र, धार्मिक पुस्तक और सोने का लॉकेट भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एएनएम संघ की अध्यक्ष सुशीला देवी, एआरओ आलोक कुमार, हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के उपरांत उमा देवी द्वारा नूरपुर स्थित राधा कृष्ण मंडप में सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई, जिसमें स्टाफ ने सहभागिता की। इस अवसर पर सभी ने उनके स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की।

टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने को लेकर 4 अप्रैल को दिल्ली में होगी महारैली:- सर्वेश शर्मा

एक दिन का अवकाश लेकर दिल्ली कूच करेंगे सभी शिक्षकः- यशपाल

अमरोहा (सब का सपना):- टीईटी के अनिवार्यता समाप्त करने को लेकर टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली को सफल बनाने के लिए टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) ने आर पार की लड़ाई का निर्णय लिया है। जिला मंत्री मुकेश चौधरी के आवास के नजदीक संस्कार वाटिका अतरासी पर समस्त संघों के शिक्षक पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन कर ठोस रणनीति बनाई गई। समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मांडलिक मंत्री सर्वश कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक भारी संख्या में बसों द्वारा प्रस्तावित रैली में प्रतिभाग करने हेतु अभी से अपनी तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई टेट की नहीं है अपितु शिक्षकों के मान सम्मान की लड़ाई है जिसमें शिक्षक लाखों लाख की तादाद में दिल्ली पहुंचकर अपनी आवाज को बुलंद करेंगे।कहा कि प्रांतीय दिशा निदेशों के क्रम में 4 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के

सानिध्य में शिक्षकों की एक महारैली का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रत्येक ब्लॉक से कम से कम 4--4 बसों के ले जाने पर सहमति जताई गई। रैली में शिक्षकों की भागीदारी अनिवार्य रूप से निर्धारित की गई है। रैली को सफल बनाने के लिए वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर थोपें गये टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए शिक्षक लाखों की तादाद में प्रदर्शन में शामिल होंगे। बताया कि देश भर से लाखों की संख्या में शिक्षक नई दिल्ली में आंदोलन करेंगे। टीएफआई के राष्ट्रीय सचिव यशपाल सिंह ने कहा कि जनपद के सभी संगठन टीएफआई के बैनर तले विशाल संख्या के साथ 4 अप्रैल की सुबह दिल्ली को कूच करेंगे। अमरोहा से हजारों की संख्या में शिक्षक धरना प्रदर्शन में प्रतिभाग करने जा रहे हैं। कहा कि दिल्ली धरने के दौरान अगर पुलिस द्वारा शिक्षकों की गाड़ी या बसों को किसी भी स्थान पर रोका जाता है तो रोके गए स्थल पर शिक्षक धरना एवं प्रदर्शन शुरू कर देंगे और आंदोलन की गति वहीं से जारी रखी जाएगी। टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए शिक्षक अबकी बार आर पार की लड़ाई के साथ दिल्ली जाम करने को तैयार है। 4 अप्रैल का धरना प्रदर्शन शिक्षकों के लिए करो एवं मरो का प्रदर्शन है।यह प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा।
समीक्षा बैठक को पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाअध्यक्ष विकास चौहान, एससीएसटी बेसिक टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाअध्यक्ष करतार सिंह, जिलामंत्री राजदीप सिंह,जिलामंत्री जगवीर सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ प्रथी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष अनीस अहमद ने भी संबोधित किया।
इस अवसर पर ब्लॉक ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर होमपाल सिंह चौहान, विपिन पंघाल, धर्मेंद्र सिंह कविराज सिंह,जागेश सिंह,रूपेंद्र सिंह,ब्लॉक मंत्री हीरा सिंह,महताबउद्दीन, सोम सिंह, तरुण शर्मा, उमेश सिद्धू, कर्मवीर सिंह, महेश कुमार,देवेंद्र शर्मा,अमरजीत सिंह,नरदेव सिंह, प्रमोद कुमार,संदीप कुमार, तरुण शर्मा,सतीश कुमार,कुलदीप सैनी,बलवान सिंह, ब्लॉक मंत्री गजरौला रीता यादव आदि उपस्थित रहे।

एन.एस. इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक समारोह में मेधावी छात्र सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के सदाफल स्थित एन.एस. इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 29 मार्च 2026 को चौथा वार्षिक समारोह बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व परिवहन मंत्री अशोक कटारिया, चेयरमैन पवन सिंह, मैनेजर निखिल कुमार तथा प्रिंसिपल रुचि सिंह द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के साथ बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम की भव्यता और व्यवस्थाओं की सराहना की।
मुख्य अतिथि अशोक कटारिया ने अपने संबोधन में प्रिंसिपल श्रीमती रुचि सिंह को एक कुशल प्रशासक बताते हुए ग्रामीण क्षेत्र में सीबीएसई स्कूल की स्थापना के लिए प्रबंधन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिक्षण संस्थान गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सशक्त माध्यम बन रहे हैं।
समारोह के दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर विद्यालय के शीर्ष तीन मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शाश्वत कुमार (99.08%), द्वितीय स्थान पर रहीं तहरीम (98.75%) तथा तृतीय स्थान पर रहे अक्षत कुमार (98.5%) को नकद पुरस्कार, रिपोर्ट कार्ड, शील्ड एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया और पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही।

सर्वाधिक ग्रामोद्योगी इकाईयाँ स्थापित कराने वाले प्रधानों को किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में खादी एवं ग्रामोद्योग विकास एवं सतत स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा जनपद के सभी 6 विकास खण्डों में सम्बंधित विकास खण्ड के अन्तर्गत अपने अपने गाँवों में सर्वाधिक ग्रामोद्योगी इकाईयाँ स्थापित कराने वाले दो- दो प्रधानों को सम्मानित किया गया।
विकासखंड अमरोहा के ग्राम पृथ्वीपुर खुर्द के प्रधान रविशंकर व ग्राम याहियापुर के ग्राम प्रधान लखपत, विकासखंड हसनपुर के ग्राम ताहरपुर के ग्राम प्रधान संदीप कुमार व ग्राम सोहत के ग्राम प्रधान देशराज, विकासखंड धनौरा के ग्राम

लीसड़ी खुर्द की ग्राम प्रधान करेशना एवं ग्राम चकनवाला मुस्तकम की ग्राम प्रधान लज्जा देवी, विकासखंड जोया के ग्राम पतई खालसा की ग्राम प्रधान माया एवं ग्राम नारंगपुर की ग्राम प्रधान रेखा, विकासखंड गजरौला के ग्राम भगवानपुर भूड़ उर्फ रहीमपुर के ग्राम प्रधान कदीर अहमद एवं ग्राम मोहम्मदाबाद मुस्तकम के प्रधान रियासत अली,विकासखंड गंगेश्वरी के ग्राम पोरारा मुस्तकम के ग्राम प्रधान इशरत अली एवं ग्राम दौरारा के ग्राम प्रधान रेनू को विभागीय लोगो युक्त खादी निर्मित अंग वस्त्र एवं 2000 रू0 प्रोत्साहन धनराशि भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी उपस्तिथ ग्राम प्रधानों को शुभकामनाएँ देते हुए अपने अपने ग्राम में स्वच्छता, शिक्षा और रोजगार सृजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर सेवा करने का आह्वान किया गया। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह द्वारा सभी उपस्थित ग्राम प्रधानों से भविष्य में भी अपने-अपने ग्रामों में ग्रामोद्योगिक इकाइयाँ स्थापित कराने के लिए बेरोजगार युवकों व युवतियों को प्रेरित करने का अनुरोध किया गया।

कुरुक्षेत्र में युवक का बेरहमी से कत्ल: डीजे पर हुई थी कहासुनी; 1 महीने पहले अमेरिका से लौटा था मृतक

कुरुक्षेत्र : इस्माइलाबाद क्षेत्र में देर रात हमलावरों ने थार से कुचल कर युवक की हत्या दी। बताया जा रहा है कि युवक शादी में शामिल होने के लिए आया था, जहां हमलावरों की युवक से ऊख पर कहासुनी हुई थी। मृतक की पहचान पिहोवा के खेड़ी शीशगरां के साहिल के रूप में हुई है, जो कि करीब एक माह पहले ही अमेरिका से आया था। शैमिन पंजरथ गुरु गोबिंद सिंह कॉलोनी, ठसका रोड, इस्माइलाबाद ने पुलिस को बताया कि उनका साला साहिल कुमार खेड़ी शीशगरां शादी के प्रोग्राम में शामिल होने आया था। प्रोग्राम में उनकी ही कॉलोनी का दीपांशु धवन डीजे पर डांस कर रहा था। डीजे पर गाने को लेकर दीपांशु और साहिल कुमार के बीच थोड़ी बहस हुई, जिसे दोनों पक्षों ने समझा दिया। प्रोग्राम चलता रहा। लेकिन रात 12:40 बजे साहिल कुमार, शैमिन पंजरथ, सिमरदीप सिंह, रमन नागपाल और विपुल बजाज चम्मू चौक पर खड़े थे। तभी सामने से काली थार कार आई और पूरी तेजी से साहिल कुमार को टक्कर मार दी। दीपांशु धवन ने गाड़ी रोकी, शीशा नीचे किया। शैमिन ने पूछा कि क्यों बंदा मारना है क्या। दीपांशु ने जवाब दिया, अच्छा बच गया और फिर गाड़ी पीछे करके दोबारा साहिल कुमार पर चढ़ा दी। इसके बाद वह भाग गया। गाड़ी में दीपांशु के साथ उसकी बहन रिम्पा हवन और उसकी मां (पीछे की सीट पर) भी थीं। उनको घायल अवस्था में अम्बाला के प्राइवेट अस्पताल ले गए, यहां साहिल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उधर, थाना इस्माइलाबाद के SHO जगदीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपी दिवांशु के खिलाफ BNS की धारा 103(1) और 109(1) के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अम्बाला शहर के सरकारी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

धनौरा स्थित निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत

परिजनों ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप लगाते हुए किया हंगामा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा स्थित एक निजी अस्पताल में सोमवार को प्रसव के दौरान एक 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई। इस मामले में परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है और जमकर हंगामा किया। घटना से आक्रोशित होकर परिजनों ने हंगामा करते हुए अस्पताल के बाहर मृतक महिला का शव रखकर सड़क को जाम कर दिया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव विशावली निवासी अर्जुन सिंह ने अपनी पत्नी रजनी (25 वर्ष) को प्रसव पीड़ा होने पर शेरपुर पुलिस चौकी के पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक की घोर लापरवाही के चलते प्रसव के दौरान रजनी की हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मृत्यु हो गई। मामले की गंभीरता और बढ़ते हंगामा को देखते हुए धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह और बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए,उधर परिजनों ने कार्यवाही की मांग को लेकर काफी देर तक सड़क पर जाम लगाए रखा जिसे पुलिस ने किसी तरह समझा बूझाकर शांत करने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हो गया। वहीं इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ योगेंद्र सिंह ने बताया है कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि क्लिनिक चलाने वाले व्यक्ति के पास केवल एएनएम की डिग्री थी जिसके आधार पर वह अस्पताल संचालित कर रहा था, यह नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। सीएमओ ने आश्वासन दिया है कि उक्त चिकित्सक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उधर पुलिस हंगामा की स्थिति को सामान्य करने के प्रयास में जुटी रही।

कैथल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 नशा तस्करों की 84 लाख की संपत्ति फ्रीज

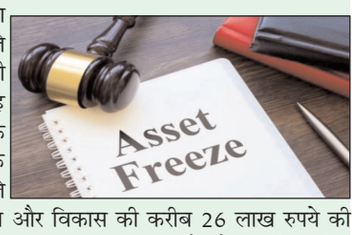

कैथल : कैथल पुलिस ने नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 84 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज कराई है। यह कार्रवाई 5 आदतन तस्करों के खिलाफ दर्ज मामलों के आधार पर की गई है। पहले मामले में कलायत के राजेश और विकास की करीब 26 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज की गई है। इनमें मकान, प्लॉट, बाइक और बैंक खाते शामिल हैं। दूसरे मामले में खरका निवासी बीरो देवी, उसके पति मालक राम और पुत्र रवि की करीब 58 लाख 40 हजार रुपये की संपत्ति फ्रीज की गई है। इसमें मकान, प्लॉट, गाड़ी, सोने-चांदी के आभूषण और बैंक खाते शामिल हैं। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि नशे के धंधे से कमाई गई संपत्ति अब सुरक्षित नहीं है और ऐसे अपराधियों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

हरियाणा कांग्रेस की बैठक शुरू, कई विधायक रहे नदारद, क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों को किया किनारे

दिल्ली : हरियाणा कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में शुरू हो गई है। इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत हरियाणा कांग्रेस के 30 विधायक मौजूद हैं। साथ ही बता दें कि पूजा चौधरी और विनेश फोगाट बैठक में नहीं पहुंची हैं। बैठक में हाल ही में निर्वाचित राज्यसभा सांसद कर्मवीर बोध भी शामिल हुए हैं। यह बैठक राज्यसभा चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति और पार्टी की आगे की रणनीति को लेकर अहम मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों को इस बैठक में नहीं बुलाया गया । इस फैसले को पार्टी अनुशासन से जोड़कर देखा जा रहा है। बैठक में संगठन को मजबूत करने, विधायकों के बीच समन्वय बढ़ाने और भविष्य की राजनीतिक रणनीति तय करने पर चर्चा होने की संभावना है। साथ ही, पार्टी नेतृत्व आने वाले समय में सख्त संदेश देने की तैयारी में भी नजर आ रहा है।

रोहतक में पुलिसकर्मी ने गोली मारकर किया सुसाइड, पुलिस विभाग में हड़कंप

रोहतक : रोहतक जिले के कलानौर पुलिस स्टेशन में एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक ई-सबइंस्पेक्टर ने अपनी ही सरकारी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान ई-सबइंस्पेक्टर कुलदीप के रूप में हुई है, जो एफ्र 594 पर तैनात थे और एअरकके पद पर कार्यरत थे। कुलदीप मूल रूप से झज्जर जिले के डीघल गांव के रहने वाले थे और फिलहाल रोहतक के कमला नगर, झज्जर चुंगी क्षेत्र में रह रहे थे। बता दें कि कुलदीप सोमवार को कलानौर थाना में खाना खाने के लिए आए हुए थे। इसी दौरान वह थाना परिसर में नीचे एक किनारे चले गए, जहां उन्होंने अपनी सरकारी रिवाल्वर से खुद के सिर में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनते ही थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। घटना के तुरंत बाद घायल अवस्था में कुलदीप को रोहतक के पीजीआई अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में ई-सबइंस्पेक्टर ने इतना बड़ा कदम उठाया। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर है। साथी पुलिसकर्मियों ने कुलदीप को एक मेहनती और जिम्मेदार अधिकारी बताया है। वहीं, परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

पानीपत में बच्ची को लालच देकर साथ ले जाने लगी महिला

पानीपत : पानीपत शहर की महादेव कॉलोनी में रविवार 29 मार्च की देर शाम बच्चा चोरी के शक में एक संदिग्ध महिला को पकड़े जाने से सनसनी फैल गई। कॉलोनी के लोगों ने महिला को रंगे हाथ उस समय दबोचा, जब वह एक बच्ची को जबरन साथ ले जाने का प्रयास कर रही थी। तलाशी के दौरान महिला के पास से संदिग्ध वस्तुएं मिलने पर मामला और भी गंभीर हो गया है। महादेव कॉलोनी की एक स्थानीय बच्ची ने बताया कि महिला ने उसे चीज दिलाने का लालच देकर अपने पास बुलाया और साथ चलने को कहा। जब बच्ची नहीं मानी, तो महिला ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे कॉलोनी से बाहर की ओर खींचने लगी। शोर मचने पर स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और महिला को घेर लिया। पकड़े जाने के बाद जब स्थानीय लोगों ने महिला की तलाशी ली, तो उसके बैग से ब्लेड और नशीली गोलियां (दवाएं) जैसी संदिग्ध वस्तुएं बरामद हुईं। महिलाओं का आरोप है कि वह संदिग्ध अवस्था में घूम रही थी और बच्चों को खाने-पीने का सामान देकर फंसाने की कोशिश कर रही थी। बैग से मिले सामान ने लोगों के मन में किसी बड़े गिरोह या साजिश का डर पैदा कर दिया है। डायल 112 और किला थाना पुलिस की कार्रवाईगुस्साए लोगों ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और महिला को लोगों के चंगुल से छुड़ाकर थाने ले गई। किला थाना पुलिस अब महिला से पूछताछ कर रही है कि वह कहां की रहने वाली है और उसके बैग में मिले ब्लेड व दवाओं का क्या मकसद था। किला थाना पुलिस ने बताया कि महिला से पूछताछ जारी है और तथ्यों के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध को देखने पर कानून हाथ में न लें, बल्कि तुरंत पुलिस को सूचित करें।

राजनीति, उद्योग, समाजसेवा और जनकल्याण को नई दिशा देने वाले बाऊजी ओमप्रकाश जिन्दल करोड़ों लोगों के प्रेरणास्रोत हैं

कैथल : 7 अगस्त 1930 को हिसार के नलवा गांव के एक साधारण किसान परिवार में जन्मे ओमप्रकाश जिन्दल ने अपनी दूरदृष्टि, मेहनत और लगन के बल पर शून्य से शिखर को छुआ। वे न केवल इस्पात उद्योग के पुरोधा माने जाते हैं, बल्कि गरीबों-जरूरतमंदों की सेवा में भी उन्होंने एक नया अध्याय रचा। वे गांव-गांव तक शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आधुनिक सुविधाएं पहुंचाने के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। बाऊजी ने जिन्दल ग्रुप की स्थापना कर भारत को औद्योगिक महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर किया। लेकिन उनका दृष्टिकोण केवल व्यापार तक सीमित नहीं था, उन्होंने अपने संसाधनों को समाज के उत्थान में लगाया। स्कूल, कॉलेज, महिला प्रशिक्षण केंद्र, मेडिकल वैन, स्वास्थ्य शिविर समेत अनेक योजनाएं उनके सामाजिक सरोकारों का जीवंत उदाहरण हैं। हरियाणा सरकार में ऊर्जा मंत्री के रूप में उन्होंने 24 घंटे बिजली देने का सपना देखा। वे अक्सर कहते थे "जो किसान दिनभर खेत में मेहनत करता है, वह रात को अंधेरे में क्यों रहे?" उनकी प्रेरणा से आज हरियाणा ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर है और हर गांव रोशन है। बाऊजी का मानना था कि शिक्षा ही समृद्धि का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने हिसार, दिल्ली, रायगढ़ जैसे अनेक स्थानों पर शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की और विशेषकर बेटियों

की शिक्षा के लिए वे अत्यंत प्रतिबद्ध थे। उनका विश्वास था "बेटा पढ़ता है तो एक घर बसता है, लेकिन बेटी पढ़ती है तो दो घर बसते हैं।" इसी सोच से उन्होंने हिसार में विद्यादेवी जिन्दल स्कूल की स्थापना की, जो आज अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान है। उनकी इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए उनके बेटे नवीन जिन्दल ने ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (सोनीपत) और ओ.पी. जिन्दल यूनिवर्सिटी (रायगढ़) जैसी संस्थाएं स्थापित की, जो आज विश्व स्तर पर भारत की शैक्षिक पहचान बन चुकी हैं। इनमें से ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी भारत की नंबर-1 प्राइवेट यूनिवर्सिटी के रूप में प्रतिष्ठित है। ओ.पी. जिन्दल ग्रामीण जनकल्याण संस्थान के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा की जो जोत जलाई गई है, वो लोगों को स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रही है। बाऊजी का जीवन मेहनतकश वर्ग के प्रति समर्पित था। किसान, मजदूर, व्यापारी, महिला, युवा ही नहीं लगभग हर वर्ग के कल्याण के लिए उन्होंने योजनाएं बनाईं और स्वयं धरातल पर उतरकर उन्हें लागू किया। वे कहते थे "राजनीति सेवा का माध्यम है, न कि स्वार्थ का साधन।" हिसार से तीन बार विधायक और कुरुक्षेत्र से सांसद रहते हुए उन्होंने अपने हर कार्य में लोकहित को सर्वोपरि रखा। जनता से उनका संबंध आत्मीय था, और इसी आत्मीयता के कारण उन्हें आज भी "बाऊजी" कहकर श्रद्धा से याद किया जाता है। आज उनके सपनों को साकार करने में नवीन जिन्दल उसी समर्पण के साथ जुटे हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और युवा उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। 31 मार्च, 2005 को एक हेलीकॉप्टर हादसे में, बाऊजी इस दुनियां से रुखसत हो गऐ, लेकिन अपने पीछे "सदैव सेवा समर्पित" के संस्कार विरासत में छोड़कर गए हैं। आज उस महान आत्मा को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, जिन्होंने अपने विचारों, कार्यों और सेवा से भारत के भविष्य को नई दिशा दी। आज देशभर से लोग उन्हें श्रद्धा से याद कर रहे हैं और उनके दिखाए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा ले रहे हैं ।

रेलवे का मास्टर प्लान ! अंबाला से 27 स्पेशल ट्रेनें चलाने का किया ऐलान, गर्मियों में सफर होगा आसान

अंबाला : उत्तर रेलवे गर्मी की छुट्टियों को देखते हुए 27 स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा हैं, जिसमें फिरोजपुर डिवीजन के अमृतसर, जम्मू सहित कटरा (माता वैष्णो देवी) सहित दिल्ली डिवीजन के आंनद विहार और दिल्ली से भी इस तरह की रेलगाड़ियां चलाई जाएगी। अंबाला मंडल के सीनियर वाणिज्य प्रबंधक नवीन कुमार झा ने बताया की गर्मी के मौसम में पढ़ने वाली छुट्टियों के दौरान ट्रेन में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है जिस कम करने के लिए हर बार उत्तर रेलवे स्पेशल रेल गाड़िया चलाने जा रहा हैं। हर बार की तरह इस बार भी स्कूलों में पड़ने वाली गर्मी की छुट्टियां को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे 27 समर स्पेशल रेलगाड़ियां चला रहा है, जिसकी वजह से अंबाला डिवीजन सहित फिरोजपुर डिवीजन के

अमृतसर और जम्मू से भी इस तरह की समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी जिससे पहले से चल रही ट्रेनों में रश कम किया जाएगा। अंबाला मंडल के सीनियर वाणिज्य प्रबंधक नवीन कुमार झा ने बताया की गर्मी के मौसम में पढ़ने वाली छुट्टियों के दौरान ट्रेन में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है जिसे कम करने के लिए हर बार उत्तर रेलवे स्पेशल रेल गाड़ियां चलाता है। इस बार भी गर्मी की छुट्टियों के दौरान बच्चों का उनके परिजनों को रेल में यात्रा करते कोई सुविधा न हो इसके कारण उत्तर रेलवे विभिन्न डिविजनों से 27 समर स्पेशल ट्रेन चला रहा है। सभी आने वा जाने वाली समर स्पेशल ट्रेन अंबाला से होकर गुजरेगी जिस कारण यात्रियों को काफी सुविधा हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी तर्ज पर फिरोजपुर डिवीजन भी अमृतसर तथा जम्मू और माता वैष्णो देवी के कटरा से स्पेशल ट्रेन चलाएगा जिस कारण यहां आने व जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली डिवीजन भी अपने आनंद विहार स्टेशन व दिल्ली के विभिन्न स्टेशन से इसी तरह की स्पेशल ट्रेन चलाएगा। उनका कहना है कि जो भी ट्रेन अमृतसर, जम्मू से उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान व महाराष्ट्र को जाएगी तथा इस तरह इसी रास्ते से वापस गंतव्य स्थान तक पहुंचेगी इसकी वजह से भी रेल में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

फरीदाबाद के बीके अस्पताल में व्यक्ति की मौत, मकान मालिक व पड़ोसियों ने लगाए ये आरोप

फरीदाबाद : फरीदाबाद के बीके सिविल अस्पताल में आज एक व्यक्ति की उस वक्त मौत हो गई जब उसे इलाज के लिए अस्पताल की लिफ्ट नहीं चलने के कारण मरीज को तीसरी मंजिल रैंप के जरिए ले जाया जा रहा था। ऐसा आरोप मरीज को लेकर आए उसके मकान मालिक व पड़ोसियों ने लगाया। दरअसल फरीदाबाद के सेक्टर-23 संजय कॉलोनी किराए के मकान पर रहने वाले फैज अहमद नाम के व्यक्ति की अचानक से तबीयत खराब होने के चलते हुए उसे उसका मकान मालिक बीके सिविल अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने फैज को अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थापित हार्ट सेंटर में जाने के लिए कहा। जिस पर वह लोग ओपीडी की लिफ्ट से मरीज को ले जाने के लिए गए, तभी पता लगा कि लिफ्ट चल नहीं रही, जिसके

चलते फैज को रैंप से तीसरी मंजिल लेकर जाने लगे ओर फैज की इसी दौरान मौत हो गई थी। मृतक के साथ आए उसके कमान मालिक ओर पड़ोसियों ने बताया कि फैज की हालत खराब होने के चलते इलाज के लिए वह लोग उसे सिविल अस्पताल लाए थे, लेकिन लिफ्ट नहीं चलने के कारण उन्हें अस्पताल में यहां वहां कई चक्कर लगाने पड़े, जिसके चलते फैज की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि अगर लिफ्ट चल रही होती तो फैज की जान नहीं जाती। उन्होंने सिविल अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया। आपको बता दें कि मृतक फैज किराए के मकान में अकेला रहता था जिसका परिवार बिहार में रहता है जिसके चलते मृतक का मकान मालिक व पड़ोसी उसकी तबीयत खराब होने के बाद सिविल अस्पताल लाए थे। वहीं जब हमने लिफ्ट के पास जाकर देखा तो लिफ्ट फिलहाल काम कर रही थी।हालांकि मृतक के साथ आए लोगों ने लिफ्ट बंद होने के आरोप लगाए थे, जिनकी पुष्टि हम नहीं करते क्योंकि यह एक जांच का विषय है।

बेसहारा कुत्तों को हटवाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े

गुड़गांव, (ब्यूरो): गुड़गांव से एक बड़ा मामला सामने आया है जहां बीच सड़क पर महिलाएं एक दूसरे के बाल खींचकर मारपीट करती नजर आई हैं। पूरा मामला गुड़गांव की मियांवाली कॉलोनी का है जहां बेसहारा कुत्तों को हटवाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। यह दोनों पक्ष कोई और नहीं बल्कि नगर निगम में शिकायत करने वाले और उन कुत्तों को नगर निगम से बचाने वाले यानी डॉग लवर्स थे।दोनों में इस कदर बहसबाजी हुई कि दोनों पक्ष आपस में मारपीट करने लगे। यहां तक कि डॉग लवर्स ने नगर निगम कर्मचारियों को कार्य करने से रोकने के लिए उनकी गाड़ी की चाबी तक छीनने का प्रयास किया। वहीं पूरे घटनाक्रम को एक व्यक्ति ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वहीं, मामले में सेक्टर-14 थाना पुलिस को जब घटना की सूचना मिली तो पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया

कि अगर नगर निगम की टीम मौके पर गई थी और कुत्ते उठाने के लिए उनका लोग विरोध कर रहे थे तो उन्हें पुलिस से सहायता लेनी चाहिए थी। अगर पुलिस को सूचना दी जाती तो इतना बड़ा विवाद ही न होता। फिलहाल पुलिस को शिकायत व घायलों की मेडिकल रिपोर्ट मिली है। एक वीडियो भी पुलिस को मिली है जिसके आधार पर जांच की जा रही है और जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।जानकारी के मुताबिक, मियांवाली कॉलोनी में बेसहारा कुत्तों को पकड़ने के लिए स्थानीय लोगों ने नगर निगम को शिकायत दी थी। जब नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची तो कुछ लोग निगम की टीम की कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस दौरान शिकायत करने वाले और डॉग लवर्स के बीच बहसबाजी हो गई और नौबत यहां तक आ गई कि दोनों में मारपीट होने लगी।

तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरह से महिलाएं एक दूसरे को बालों से पकड़कर पीट रही हैं। वहीं, दो पुरूष भी आपस में मारपीट कर रहे हैं। पूरे घटनाक्रम की वीडियो भी एक व्यक्ति द्वारा बनाई जा रही है और नगर निगम की टीम को भी धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वहीं, मामले में अब सेक्टर-14 थाना पुलिस जांच कर रही है।

एमसीजी का विकास बना लोगों के लिए विनाश, सड़क में ट्रक धंसा, लगा लंबा जाम

गुड़गांव, (ब्यूरो): नगर निगम द्वारा भले ही लोगों को समस्या से निजात दिलाने के लिए शहर में विकास कार्य किए जा रहे हों, लेकिन यह विकास कार्य विनाश कार्य बनते नजर आ रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण बसई रोड पर देखने को मिल रहा है जहां पिछले तीन दिनों से सीवर का कार्य किया जा रहा है, लेकिन यह सीवर का कार्य लोगों के लिए जी का जंजाल बन गया। हालांकि इस कार्य के लिए नगर निगम द्वारा ट्रैफिक रूट डायवर्जन प्लान जरूर किया गया था, लेकिन यह डायवर्जन कहीं भी देखने को नहीं मिल रहा जिसके कारण जहां भी नगर निगम द्वारा सीवर की लाइन डालने के लिए खुदाई की गई वहीं, इस तरह से गड्ढे भरे गए कि अब इन गड्ढों में गाड़ियां फंस रही हैं।सिविल अस्पताल के पास ही आज सुबह एक ट्रक फंस गया जिसके कारण यहां वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थानीय दुकानदारों की मानें तो आज सुबह करीब 10 बजे एक ट्रक फंस गया जिसके कारण यहां वाहनों को काफी परेशानी हो रही है। यहां सड़क करीब दो फीट तक धंस गई जिसके कारण ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से जमीन पर लग गया। वहीं ट्रक ड्राइवर की मानें तो जिस वक्त उनका ट्रक यहां फंसा उस वक्त नगर निगम के अधिकारी भी यहां मौजूद थे। उन्होंने ट्रक को धंसा देखा और आपस में बात करने लगे। इसी दौरान वह पूरा घटनाक्रम देखकर मौके से चले गए। वहीं, दुकानदारों ने बताया कि यहां रूट डायवर्जन के नाम पर केवल दो बेरिकेड लगाकर छोड़ दिया गया। यहां खुदाई किए जाने के बाद कई वाहन यहां फंस चुके हैं। कल रात को यहां एक मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस भी यहां फंस गई थी। उस दौरान यहां कई लोग एकत्र हो गए और काफी मशक्कत के बाद एंबुलेंस को निकाला गया। वहीं, एक ऑटो भी पलट गया। गनीमत यह रही कि ऑटो पलटने से किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि ऑटो ड्राइवर को जरूर मामूली चोट आई थी। यहां ट्रैफिक रूट डायवर्जन के नाम पर भी कुछ नहीं किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस भी यहां नजर नहीं आ रही है। ऐसे में यह विकास कार्य लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। आपको बता दें कि बसई रोड पहले भी विवादों में रहा है। यहां कई बार सीवर लाइन के कारण सड़क धंस जाने से ट्रक फंस गए थे जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी हुई। हर बार नगर निगम की तरफ से इसे मरम्मत कर ठीक कर तो दिया जाता है, लेकिन कुछ ही समय में हालात जस के तस हो जाते हैं।

कुरुक्षेत्र में सड़क हादसा : 2 बाइकों की टक्कर में किशोर की मौत, परिवार में शोक की लहर

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले के पिहोवा क्षेत्र में पटियाला रोड पर हुए सड़क हादसे में एक 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका पिता घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद आरोपी बाइक सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान अभिशेष कुमार (16) के रूप में हुई है। अभिशेष का परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, लेकिन करीब 20 वर्षों से पिहोवा क्षेत्र के जुलमत गांव में रह रहा है। उसके पिता प्रमोद महतो एक किसान के यहां नौकरी करते हैं। अभिशेष अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और उसकी मौत से परिवार में शोक की लहर है।

काम से लौटते समय हुआ हादसा

प्रमोद महतो निवासी जुलमत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सोमवार रात करीब 10:30 बजे अपने बेटे अभिशेष के साथ बाइक पर निजी काम से ट्यूकर गांव गया था। काम निपटाने के बाद दोनों बाइक पर घर लौट रहे थे। उस समय अभिशेष बाइक पर पीछे बैठा हुआ था।

पीछे से मारी तेज टक्कर

जब वे ट्यूकर गांव के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक का संतुलन बिगड़ गया। अभिशेष सड़क पर गिर गया, जबकि प्रमोद महतो बाइक समेत सड़क किनारे खेतों में जा गिरे। गिरने से अभिशेष के माथे पर गहरी चोट लगी और काफी खून बहने लगा।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

प्रमोद महतो ने तुरंत गांव के लोगों को फोन कर मदद मांगी। ग्रामीणों की सहायता से अभिशेष को पहले पिहोवा के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे एलएनजेपी अस्पताल, कुरुक्षेत्र रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अभिशेष को मृत घोषित कर दिया।

बाइक नंबर के आधार पर केस दर्ज

प्रमोद महतो के अनुसार टक्कर मारने के बाद आरोपी बाइक सवार कुछ देर के लिए उनके पास आया, लेकिन फिर अपनी बाइक लफ्41छ-1346 लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और बाइक नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।

तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब पारिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे।

इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग -अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे

आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट ट्रिक्स आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 830 से 930 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 1130 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 430 से 530 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 730 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

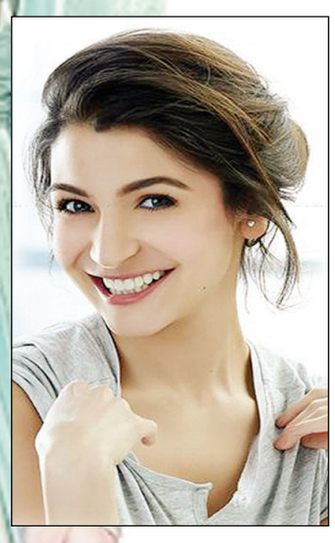

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्यम 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर -2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।

'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीन्स की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

क्यों बनाते हैं सिर्फ कॉमेडी फिल्में

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में की हैं। जिनमें हेरा फेरी, गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी फिल्में हिट रही हैं। उन्होंने अपनी बातचीत में कहा, 'मैं सोचता हूं कि लोग अलग-अलग कहानियां देखना पसंद करते हैं। 'भूत बंगला' पूरी तरह से एक मनोरंजक फिल्म है। जो

लोगों की रूचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरूआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेंस ड्रामा वाली फिल्में बनाने से बचता हूं।'

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

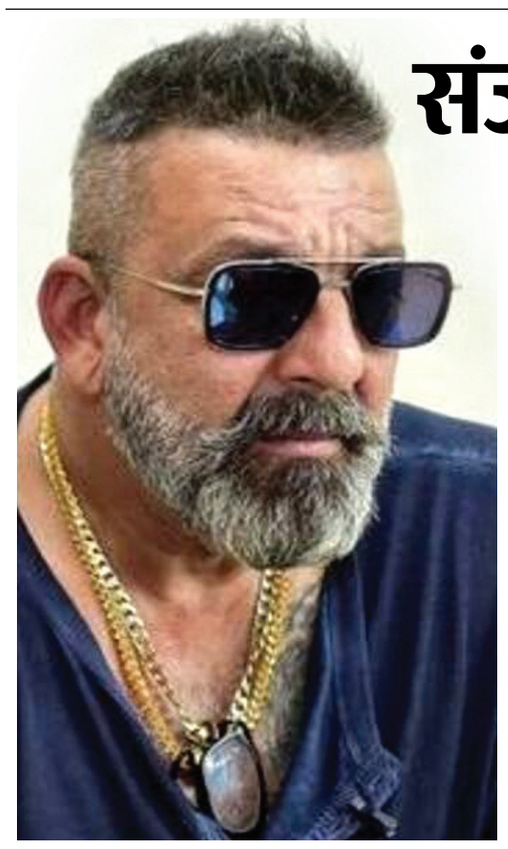

एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर्स में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं:

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्ट और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है।

'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं।

'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ङ्क पर एक ट्वीट में दी है। 'वन' को अङ्कस्र के अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मॉम शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मंदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।